

मुख्यमंत्री योगी ने लखनऊ में सप्ताह भर चलने वाले खादी महोत्सव 2025 का उद्घाटन किया दुनिया में धूम मचा रहा ओडीओपी: योगी

आयोजन

लखनऊ, विशेष संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित सप्ताहव्यापी खादी महोत्सव-2025 का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि खादी सिर्फ वस्त्र नहीं भारत का स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। ओडीओपी योजना आज प्रदेश की विशिष्ट पहचान बन गई है। हर जिले का एक उत्पाद अब न केवल देश में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध हो रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' के आह्वान को उत्तर प्रदेश ने पूरे देश में सबसे प्रभावी ढंग से लागू किया है। उन्होंने विभिन्न जिलों के हस्तशिल्प उत्पादों की विशिष्टताओं की चर्चा करते हुए कलाकारों की प्रतिभा की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा गांधी ने खादी को एक आंदोलन बनाया जिसने आजादी की लड़ाई को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। चरखे ने देशवासियों को रोजगार का साधन प्रदान किया।



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित सात दिवसीय खादी महोत्सव के उद्घाटन के दौरान चरखा चलाया। महोत्सव में लगी प्रदर्शनी में खादी से निर्मित उत्पाद खूब पसंद किए जा रहे हैं।

आज त्योहारों में स्वदेशी उत्पादों को मिल रही प्राथमिकता

सीएम योगी ने कहा कि लोग त्योहारों में स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता दे रहे हैं। उन्होंने चीन निर्मित उत्पादों के स्थान पर स्थानीय हस्तशिल्प और ओडीओपी उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा मिलने की सराहना की। पहले त्योहार हमारा होता था सामान चीन से

बिकने के लिए यहां पर आता था। वे लोग शरारत भी करते थे, उत्पादों में ऐसा जहर मिलाते थे कि बच्चे छूते थे तो बीमार हो जाते थे। उन्होंने कहा कि खादी और हथकरघा के उत्पाद पर्यावरण अनुकूल हैं और आधुनिक फैशन में भी लोकप्रिय हो रहे हैं। इस



मौके पर मुख्यमंत्री ने माटी कला के पांच लाभार्थियों को टूलकिट और प्रमाण पत्र वितरित किए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मिट्टी से बने बर्तनों ने थर्माकोल और प्लास्टिक का पर्यावरण अनुकूल विकल्प प्रदान किया है।

07 वर्ष में 3.5 लाख से अधिक लोगों को खादी से रोजगार

- मुख्यमंत्री ने विभिन्न जिलों के उत्पादों की सराहना की
- पांच लाभार्थियों को टूलकिट और प्रमाण पत्र वितरित किए

खादी के कपड़े और मिट्टी के बर्तन खूब लुभा रहे

महोत्सव के उद्घाटन के अवसर पर खादी एवं ग्रामोद्योग मंत्री राकेश सचान,

प्रमुख सचिव अनिल कुमार सागर तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे। खादी महोत्सव में विभिन्न स्टॉलों पर खादी के कई उत्पाद धूम मचा रहे हैं। खादी के वस्त्रों के साथ मिट्टी के बर्तन और दूसरे उत्पाद खासतौर से आकर्षण का केंद्र बने जिनको लोगों ने खूब पसंद किया। अब दूसरे जिलों में भी खादी पर आधारित ऐसे आयोजन होंगे।



भारत सरकार,